Mettlepower Communications

Coverage Sheet

Publication & Date: DAINIK JAGRAN (18·03·2011)

Page Number: 3

Head Line: Whistle Removed FROM ~~...~~ Lungs.

18 मार्च 2011 दैनिक जागरण

फेफड़े से निकाली सीटी

उपलब्धि

- खेलते वक्त गलती से निगल लिया था बच्चे ने
- बात करने या सांस लेने पर निकलती थी सीटी की आवाज
- महानगर के सर्जनों ने किया आपरेशन

अपनी मां और सर्जनों के साथ हिजबुल — जागरण

कोलकाता, जागरण संवाददाता : महानगर के सर्जनों ने एक और मुश्किल सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए एक बच्चे के फेफड़े में फंसी सीटी को निकालने की उपलब्धि हासिल की है। मेडिका सुपरस्पेशिएलिटी हास्पिटल, जहां बच्चे का आपरेशन हुआ, के अध्यक्ष डा. आलोक राय ने बताया कि सात वर्षीय हिजबुल को उसके माता-पिता पश्चिम मेदिनीपुर से आठ फरवरी को उनके अस्पताल में लेकर आये थे। उसने खेलते वक्त गलती से सीटी निगल लिया था जो उसके फेफड़े में जाकर फंस गई थी।

हिजबुल जब भी कुछ बोलता था, तो सीटी की आवाज आती थी। यहां तक कि सांस लेने पर भी सीटी की आवाज सुनाई पड़ती थी। इसके कारण हिजबुल स्थानीय लोगों के बीच आकर्षण का केन्द्र बन गया था लेकिन उसे इससे तकलीफ हो रही थी। यह एक बेहद गंभीर मामला था जिसके अविलंब इलाज की जरुरत थी।

पेडिएट्रिक सर्जनों से सलाह-मशविरा करने के बाद अविलंब सर्जरी करने का निर्णय किया लेकिन हिजबुल के माता-पिता के पास इतने रुपये नहीं थे कि उसका इलाज करा सकें। डा. आलोक राय ने मदद का हाथ बढ़ाते हुए सर्जरी में आने वाले खर्च में भारी रूट दी। पेडिएट्रिक सर्जन डा. सौमेन मित्रा और डा. अनिंद्य भट्टाचार्य ने ईएनटी विशेषज्ञों की टीम के साथ 11 फरवरी को महज डेढ़ घंटे में आपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया। आपरेशन के बाद हिजबुल को कुछ दिन निरीक्षण के लिए अस्पताल में रखने के बाद घर जाने दिया गया। सर्जनों के मुताबिक हिजबुल अब खतरे से पूरी तरह बाहर है और सामान्य जीवन जी रहा है।